

GOVT READY TO HELP INVESTORS

E-vehicle policy to drive state growth**DEV RAJ**

Patna: Bihar is coming up with an "electric vehicles policy" to promote manufacturing and use of such automobiles in the state.

It will be out soon and is expected to provide the rules for a sector which is zooming ahead at high speed on the path of growth. "We will bring an 'electric vehicles policy' in Bihar very soon. Meetings have already been held with the urban development and housing, as well as the transport departments. We are ready to provide all help to investors who want to set up bases here," industries minister Jai Kumar Singh said.

The industries minister was speaking at a daylong conference titled "Investment opportunities in electric mobility" organised by the Bihar Industrial Area Development Authority (Biada) in association with the Associated Chambers of Commerce and Industry of India (ASSOCHAM)



E-rickshaws ply at Gandhi Maidan. Picture by Manoj Kumar

and other partners in the state capital on Thursday. Industries principal secretary S. Siddharth, Biada managing director R.S. Srivastav and several others were present on the occasion.

Siddharth extended invitation to electric vehicle manufacturers and said the state government has already organised three meetings with investors and entrepreneurs. "We will hold the fourth meeting at Manesar in Haryana, which is the automobile hub of the country," Siddharth said.

Pointing out that electric vehicles have an important role in controlling pollution

and global warming, Singh added that Bihar with an over 11 crore population presented suitable, growth-oriented destination, replete with human resources, to the manufacturers of such vehicles.

"Bihar has no problem of land for electric vehicles and we can establish charging stations beneath road over bridges and near night shelters for the destitute," Singh said.

"E-rickshaws have been growing at around 22 per cent per annum. The state has six local manufacturing units and over 100 assembly units that are catering to the e-rickshaw market. The state government has a large pool of land available at different locations and various types of reimbursements could be given to entrepreneurs," Srivastav said.

Vice-president (asset management [solar] and sustainability) of Fortum India Private Limited, Awadhesh Kumar Jha, said: "The cost of vehicle and its batteries are falling."

कार्यक्रम. बिहार में निवेश की संभावनाओं पर सम्मेलन में बोले उद्योग मंत्री इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बिहार में अच्छी संभावनाएं, नयी नीति बनायेगी सरकार

संवाददाता > पटना

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बिहार में अच्छी संभावनाएं हैं. सरकार नयी वाहन नीति बनायेगी. पेट्रोल-डीजल से चलने वाली गाड़ियों से प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या होती है. इसकी अपेक्षा में इलेक्ट्रिक वाहनों से ऐसी समस्या नहीं होती. ये बातें उद्योग मंत्री जय कुमार सिंह ने कहीं. वे गुरुवार को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बिहार में निवेश की संभावनाओं पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

मंत्री ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सड़क, बिजली और कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है. यहां हाल ही में 9500 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है. निवेशकों की मदद के लिए सरकार तैयार है. बिहार फाउंडेशन की बैठक में बुधवार को उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी से निवेश की संभावनाओं को लेकर चर्चा हुई है. कई शहरों में रोड शो की योजना और बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों की संभावनाओं को लेकर विचार किया गया है.

उन्होंने कहा कि इन वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन लगाने की जगह भी उपलब्ध है. इसके लिए आरओबी के नीचे और रैनबसेरों की जगह का भी उपयोग किया जा सकता है.



कार्यक्रम का उद्घाटन करते उद्योग मंत्री जय कुमार सिंह.

निवेश आरुक्त ने क्या कहा

“ निवेश आरुक्त सह वियाडा के प्रबंध निदेशक आरएस श्रीवास्तव ने कहा कि बिहार में दो लाख से अधिक सामान्य रिक्शा हैं. इनका विकल्प ई-रिक्शा हो सकता है. यहां निवेशकों के लिए बेहतर माहौल है. मजदूर विवाद की कोई समस्या नहीं है.

इन्होंने भी किया सम्मेलन को संबोधित

सम्मेलन को एसेट मैनेजमेंट सोलर और ससटेनिबिलिटी फोर्टम इंडिया प्रालि के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार झा, मारुति सुजुकी इंडिया के गवर्नमेंट एंड पॉलिसी अफेयर्स के हेड आशीष चुटानी, होंडा कार इंडिया लिमिटेड के प्रोडक्ट प्लानिंग हेड शोभित माथुर, टेरा मोटर्स इंडिया प्रालि के सीओओ कोसुके नाकागावा, इलेक्ट्रोथर्म इंडिया लिमिटेड यो बाइक्स के कार्यकारी निदेशक वीके वैश्य, ईवी ऑटो टेक्नोलोजी प्रालि के संस्थापक और निदेशक श्रीकांथ वेंकटस्वामी ने संबोधित किया.

रोहतास में जगह उपलब्ध

उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने कहा कि सामान्य रिक्शा वाले इलाकों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती दर हर साल करीब 45 से 50 फीसदी है.

किशनगंज में केवल ई-रिक्शा ही दिखा. इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग लगाने के लिए रोहतास में 79 एकड़ जमीन ऑटो हब के नाम से अधिसूचित की गयी है. यहां फ्रेट कोरिडोर, गैस पाइपलाइन, रेलवे स्टेशन, राष्ट्रीय राजमार्ग सहित सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं. वहां से हल्दिया नजदीक होने से जलमार्ग का भी लाभ मिल जायेगा. बिहार से होकर ही लोग उत्तर-पूर्वी राज्य जाते हैं. उन्होंने कहा कि जेनरल इलेक्ट्रिक ने बिहार में अपनी उत्पादन इकाई लगायी है. उन्हें प्रशिक्षित कर्मी उपलब्ध करवाये गये हैं. वाहन उद्योग के निवेशकों के लिए भी यह व्यवस्था की जायेगी. उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के बाद अगला सम्मेलन गुड़गांव के मानेसर में होगा.

